1 कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती

सूक्ति हम सफल होने के लिए पैदा हुए हैं, विफल होने के लिए नहीं।– हेनरी डेविड

हरिवंश राय 'बच्चन'

परिचय : हिन्दी के जाने-माने साहित्यकार हरिवंश राय 'बच्चन' का जन्म 27 नवम्बर, 1907 को इलाहाबाद में हुआ। 'मधुशाला', 'मधुकलश', 'मधुकाव्य', व 'खादी के फूल' आदि उनकी प्रसिद्ध रचनाएँ हैं। उन्होंने अपनी आत्मकथा चार खंडों में लिखी। उन्हें 'पद्मभूषण', 'साहित्य अकादमी पुरस्कार', 'साहित्य वाचस्पति' व 'सरस्वती सम्मान' आदि पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। उनका निधन 18 जनवरी, 2003 को हो गया।

प्रस्तावना : प्रस्तुत कविता में कवि ने लोगों को मेहनत, लगन और कर्त्तव्यनिष्ठा की महत्ता को समझाने का प्रयास करते हुए कहा है कि जो व्यक्ति अपने लक्ष्य-प्राप्ति में निरंतर लगा रहता है, उसे सफलता अवश्य मिलती है।

लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती,
कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती।
नन्ही चींटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर सौ बार फिसलती है।
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है,
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है।
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती।

डुबकियाँ सिंधु में गोताखोर लगाता है,
जा-जाकर खाली हाथ लौटकर आता है।
मिलते नहीं सहज ही मोती गहरे पानी में,
बढ़ता दुगना उत्साह इसी हैरानी में।
मुट्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती,
कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती।

असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।

शब्दार्थ – डुबकियाँ–गोता लगाना/Dive, गोताखोर–डुबकी लगाने वाला/Diver, चुनौती–ललकार/Challenge.

जब तक न सफल हो, नींद-चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का **मैदान** छोड़कर मत भागो तुम।
कुछ किए बिना ही जय-जयकार नहीं होती
कोशिश करनेवालों की कभी **हार** नहीं होती।

– हरिवंशराय 'बच्चन'

शब्दार्थ – **संघर्ष**–बहुत अधिक परिश्रम/Struggle, **मैदान**–क्षेत्र/Field, **हार**–पराजय/Defeat.

अभ्यास से सीखें

संकलित अभिव्यक्ति

1. व्याकरणिक शब्द ज्ञान–

(क) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–

कोशिश –	लहर –	नौका – ....
मेहनत –	सिंधु –	हाथ – ....
मोती –	हैरानी –	

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

फिसलना –	डर –	विश्वास – ....
खाली –	उत्साह –	सफलता – ....
स्वीकार –	बढ़ना –	

(ग) निम्नलिखित विशेष्यों के लिए विशेषण का उचित प्रयोग कीजिए–

लहर –	चींटी –	गोताखोर – ....
सागर –	विश्वास –	उत्साह – ....
हाथ –	मोती –	

(घ) धातु–क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं। जैसे–आ, जा, खा, पी आदि कविता में अनेक क्रियाओं का प्रयोग हुआ है। नीचे लिखी क्रियाओं का मूल रूप लिखिए–

क्रिया	मूलरूप
चढ़ना	.....
अखरना	.....
लगाना	.....
भागना	.....

क्रिया	मूलरूप
गिरना	.....
चलना	.....
बढ़ना	.....
करना	.....

(ङ) उपर्युक्त क्रियाओं का रूप बदलकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

मौखिक

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) नाविक कब डर जाता है?

(ग) गहरे सागर से मोती कौन ढूँढ़ कर लाता है?

(घ) साहसी कौन होता है?

लिखित

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) नन्ही चींटी किन मुश्किलों का सामना करती है?

(ख) कोशिश करने वाले कैसे व्यक्ति होते हैं? वे क्या करते हैं?

(ग) गोताखोर कब उत्साही हो जाता है?

(घ) 'असफलता एक चुनौती है' इसका आशय स्पष्ट करो?

(ङ) 'मैदान छोड़कर भागना' एक मुहावरा है। ऐसा कार्य कौन और कब करता है?

वैकल्पिक

4. सही उत्तर पर (✓) सही का निशान लगाइए।

(क) किसकी कभी हार नहीं होती?

(*i*) कायर व्यक्ति की ◯ (*ii*) कोशिश करनेवालों की ◯ (*iii*) जान बचाने वालों की ◯

(ख) नन्ही चींटी किसलिए मेहनत करती है?

(*i*) दाने के लिए ◯ (*ii*) रहने के लिए ◯ (*iii*) उड़ने के लिए ◯

(ग) गोताखोर मोती पाने के लिए कहाँ डुबकियाँ लगाता है?

(*i*) नदी में ◯ (*ii*) समुद्र में ◯ (*iii*) तालाब में ◯

(घ) चुनौती को क्या करना चाहिए?

(*i*) अस्वीकार ◯ (*ii*) भगाना ◯ (*iii*) स्वीकार ◯

(ङ) जब तक सफलता न मिले, क्या त्यागना चाहिए?

(*i*) नींद-चैन ◯ (*ii*) खाना-पीना ◯ (*iii*) रोना-गाना ◯

5. 'मन का विश्वास रगों में साहस भरता है, चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है', पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए।

.....

.....

.....

.....

6. कविता का प्रतिपाद्य (मुख्य भाव) लिखिए।

.....

.....

.....

.....

7. 'असफलता ही सफलता की सीढ़ी है', आप इस विचार से कहाँ तक सहमत हैं लिखिए।

.....

.....

.....

.....

रचनात्मक अभिव्यक्ति

1. कविता कंठस्थ कर कक्षा में वाचन करिए।
2. परीक्षा में असफल मित्र को उत्साहित करते हुए पत्र लिखिए।

शिक्षण संकेत – हिम्मत और साहस की प्रेरणा देने वाली कविताओं का वाचन कराएँ।